

ॐ नमः श्री ब्रह्मसत्ताय ॥ ॥ ज्ञानं सूर्यार्घ्यं गुप्तादाय ॥ पूजा लाक्ष्म्यं ॥ खरा वपुजा ॥ गुप्ता मधुलदन
 मिश्रपूजा ॥ उहस्य मधुलदनक ॥ त्रिसमाधि ॥ कलभपूजा ॥ कलभसख वज्रनय ॥ धूप ॥ रगय
 नभूमि मधु ॥ कलभ गद्य समस्त काल आयुर्विधि यंत्रण माणा ॥ श्रीलक्ष्मी जन्म २ नी यक्ष २ नी ब्रह्म
 धर्म संपे नयना गद्य विघाट क हलाहल सिवस क्कटि य ॥ न प्रसगा ॥ ख ॥ द यजु धूप निर्या
 न्या मि नमानम ॥ ॥ ध्यान ॥ कारु ॥ ज मय ना ना ज ले समला इ न्द्रि मय च यत्स य स यु क कलभ
 का समस्त धर क्कम धय र व ना य य च पि स मयु नं श्रु र्गिक संका स न क र पं विरा व य न न य सा
 का ज ॥ धु क्क धर्मा द्या रु का च स र नं दा धि चि ना म नो द कं स पु ॥ कलभ ॥ खा क्कान स हा द कं
 कथनं दा द ॥ कर्म मयु जा य क थ र य थ र क थ न दा द ॥ कर्म मयु जा य क थ र य थ र
 क थ न दा द ॥ कर्म मयु जा
 क थ न दा द ॥ कर्म मयु स ॥ ॥ स म म ॥ ॥ सर्वरु स ग न द्रु ध म जा ज न ध ग न
 क थ न दा द ॥ कर्म मयु स ॥ ॥ सर्वरु स ॥

मम नमः ॥ ख नो र व नु मा क ॥
 नमः ॥ धु क्क जा य ॥ ज नो स र्वा ना

नमः ॥ धु क्क जा य ॥ ज नो स र्वा ना
 नमः ॥ धु क्क जा य ॥ ज नो स र्वा ना

[illegible]